रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश संकल्प को पूरा करने हम हैं तैयार– मान. डॉ. मोहन यादव

'मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में उच्च शिक्षण संस्थाओं की भूमिका' विषय पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन

जबलपुर 16 दिसम्बर। नई शिक्षा नीति–2020 के द्वारा भारत सरकार ने एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके द्वारा न केवल सामाजिक बदलाव पूरे देश में देखने को मिलेगा। बल्कि इसके द्वारा एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण संभव हो सकेगा जो ना केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा, बल्कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को एक नई दिशा देने का कार्य करेगा। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग स्तर पर इसपर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहे हैं और आशा है कि वर्ष 2023 तक हम इस पवित्र उद्देश्य को हासिल करने में सफल रहेंगे। उपरोक्त विचार **माननीय डॉ. मोहन यादव**, केबिनेट मंत्री, म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग ने बुधवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 'मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में उच्च शिक्षण संस्थाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित ऑनलाइन परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास महाकौशल प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में **'मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में उच्च शिक्षण संस्थाओं की भूमिका'** विषय पर गूगल मीट द्वारा आयोजित ऑनलाइन परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारत सरकार ने गहन चिंतन एवं सूझबूझ के साथ जिस शिक्षा नीति को देश में लागू करने का कार्य किया है, वह निश्चय ही एक सराहनीय कदम है। इसके द्वारा रोजगार परक शिक्षा का सही रूप समाज के सामने आएगा। इसके द्वारा आत्मनिर्भरता को काफी बल मिलेगा। हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने में सफल हो सकेंगे।

सभी की समान भागीदारी से पूर्ण होगा लक्ष्य–

ऑनलाईन परिचर्चा में विशिष्ट अतिथि के रूप में **मान. श्री अतुल कोठारी**, सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ने कहा कि हमारा राष्ट्र दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। युवा हमारी वह ताकत हैं, जिनकी मदद से हम बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। आप सभी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बुनियादी बातों को देश के कोने–कोने में पहुंचाकर शिक्षित राष्ट्र के निमार्ण में भागीदार बनना चाहिए। इस प्रक्रिया में आम जनता, विभिन्न संगठन और सरकार सभी की भागीदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भर की संकल्पना को पूर्ण करने के लिए नई शिक्षा नीति समुचित विकास के लिए आवश्यक सभी तत्वों पर समान बल देती है। नई नीति के द्वारा युवा तकनीकी व सैद्धांतिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ–साथ नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी मजबूत होगा।

आत्मनिर्भर भारत के लिए मिलजुलकर प्रयासों का संकल्प–

ऑनलाईन परिचर्चा के दौरान सारस्वत् अतिथि श्री ओम शर्मा, क्षेत्रीय सह संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, झाबुआ, प्रो. भरत शरण सिंह, अध्यक्ष मप्र निजी विश्वविद्यालय आयोग, भोपाल, श्री अशोक कड़ेल निदेशक, मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी, मप्र शासन, भोपाल, डॉ. अजय तिवारी, कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर एवं प्रवेश एवं शुल्क निर्धारण विनियामक समिति, भोपाल के रविन्द्र कन्हेरे ने विषयांतर्गत विचार प्रस्तुत किए एवं आत्मनिर्भर मप्र की संकल्पना को साकार करने सभी को अपनी–अपनी भूमिका का पूरे दायित्वों के साथ निर्वहन करने का संकल्प लेने का आव्हान किया। अतिथि परिचय कौशल विकास विभाग के निदेशक एवं आयोजन संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने बताया कि बिना आमनिर्भर बने हुए हमें सेल्फ रिस्पेक्ट प्राप्त नहीं होती इसी को दृष्टिगत रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने "आत्मनिर्भर भारत" अभियान की शुरूआत की है। आयोजन में सारांश प्रस्तुतिकरण प्रो. राम कुमार रजक, समन्वयक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकोशल प्रांत ने किया; इस मौके पर आयोजन सह संयोजक प्रो. राजेन्द्र कुररिया, सहित अन्य विद्वतजन, सामाजिक जन, शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा तथा संचालन डॉ. मीनल दुबे ने किया।

अधिकारी आवास का लोकार्पण समारोह आज

विश्वविद्यालय परिसर में नव–निर्मित अधिकारी आवास का लोकार्पण समारोह **मान. डॉ. मोहन यादव जी**, मंत्री, म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के **मुख्य आतिथ्य, मान.** कुलपति **प्रो. कपिल देव मिश्र** की अध्यक्षता, **मान. श्री राकेश सिंह,** सांसद, जबलपुर एवं **मान. श्री अशोक रोहाणी,** विधायक, केन्ट विधानसभा**,** जबलपुर के **विशिष्ट आतिथ्य** में आज **दिनांक 17 दिसम्बर, 2020** को **प्रातः 8.00** बजे सम्पन्न होगा।

प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने समस्त सम्माननीय कार्यपरिषद् सदस्यों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं से उपस्थिति की अपील की है।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/954/16.12.2020